Publication: Navbharat Times

Headline: Now even jewellery units wants to move to BKC

Edition: All Editions

Date: 19th July, 2011

Coverage

अब जूलरी यूनिटें भी BKC जाना चाहती हैं

नंदकिशोर भारतीय ॥ मुंबई

पिछले सप्ताह हुए बम विस्फोट के बाद ज़वेरी बाजार की भी हजारों जूलरी निर्माण यूनिटें बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में जाने की इच्छुक हैं। ओपेरा हाउस के पास हुए बम विस्फोट के बाद डायमंड व्यापारी तो संजीदगी से बीकेसी में ट्रांसफर करने की सोच ही रहे हैं और कइयों ने तो वहां अपना कारोबार शुरू भी कर दिया है।

इस संबंध में मुंबई होलसेल गोल्ड जूलरी मैन्युफैक्चर्स असोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल सरकार से मिलने वाला है। कुछ साल पहले ज़वेरी बाजार में स्थित जूलरी निर्माण यूनिट में आग लगने और कुछ आर्टीशन की मृत्यु के बाद इन यूनिटों को आसपास के मझगांव एरिया में शिफ्ट करने की बात हुई थी, लेकिन वहां सुरक्षा व्यवस्था न होने से कोई भी व्यापारी-जूलर मझगांव नहीं गया था।

असोसिएशन के सीईओ महावील लोढ़ा ने 'एनबीटी' को बताया कि साउथ मुंबई में अनेक मार्केट जैसे कालबा देवी, विट्ठलवाड़ी, सुतार गली, मिर्जा स्ट्रीट, अब्दुलरहमान स्ट्रीट, नागदेवी स्ट्रीट, ज़वेरी बाजार, धनजी स्ट्रीट, आदि में करीब 5,000 कारखाने हैं, जहां 150-200 वर्ग फीट के कारखानों में आर्टीशन सोने, चांदी और अन्य मेटल के आभूषण बनाते हैं। अधिकांश आर्टीशन जहां बंगाली हैं, वहीं सोने की जूलरी के व्यापारी मारवाड़ी-गुजराती हैं। छोटी जगह में कारखाने होने, अनेक केमिकल्स का उपयोग करने और भट्ठी-गैस का उपयोग करने से यह काफी खतरनाक प्रक्रिया है। बांबे बुलियन असोसिएशन (बीबीए) के प्रेजीडेंट पृथ्वीराज कोठारी के अनुसार, उनकी असोसिएशन और अन्य असोसिएशन-व्यापारियों के सहयोग से इस क्षेत्र की सुरक्षा को पुख्ता बनाने पर विचार हो रहा है। साथ ही पूरे मार्केट को नो हॉकर और नो पार्किंग जोन बनाने पर भी विचार हो रहा है, क्योंकि आतंकी उनसे जल्दी घुल मिल जाते हैं और वे अपने मंसूबों में सफल हो जाते हैं।

K.K.CHOUDHARY

ऑपेरा हाउस में पंचरत्न बिल्डिंग के निकट कामकाज पांच दिन बाद सामान्य तौर पर शुरू हो गया है।

टेक्सटाइल यूनिटें भी बीकेसी का रास्ता तय करना चाहती हैं

मुंबई ॥ साउथ मुंबई के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में स्थित सभी मार्केट और व्यापारों में अब साफ-सुथरे और खुली जगहों पर जाने की चर्चा जोरों से है। इस संबंध में कालबादेवी में वर्षों पुराने टेक्सटाइल ट्रेड को भी अब बीकेसी में ट्रांसफर करने की चर्चा गंभीर रूप ले रही है। भारत मर्चेंट चेंबर के प्रेजिडेंट राजीव सिंघल ने 'एनबीटी' को बताया कि पिछले सप्ताह जब ज़वेरी बाजार में बम विस्फोट हुआ था तो यहां के सांसद और टेलीकॉम मंत्री मिलिंद देवड़ा को टेक्सटाइल मार्केट को बीकेसी में ट्रांसफर करने के लिए गंभीर प्रयास करने को कहा था। वे इस मुद्दे को काफी समय से जानते भी हैं। श्री सिंघल के अनुसार, इस समय कालबा देवी में अनेक बाजार हैं जहां कपड़े का थोक व्यापार होते हैं। जैसे मूलजी जेठा मार्केट, स्वदेशी, मंगलदास मार्केट, आदि। स्वदेशी मार्केट में तो एक-दूसरी पेढ़ी के आमने-सामने चार फीट की दूरी भी नहीं है। यदि यहां कोई आग, बम विस्फोट या हो-हल्ला हो जाए तो कोई निकल भी नहीं पाएगा। यहां करीब 50,000 करोड़ रु. का सालाना कारोबार है, जो सालों से यहां हो रहा है। मुंबई में मिलों के बंद होने के बाद भी मैन्युफैक्चरिंग यूनिटें भिवंडी, कल्याण, मालेगांव, इचलकरंजी आदि में है वहीं मार्केटिंग सेन्टर मुंबई ही है।

इस भाग-दौड़ से बचाने के लिए करीब 20 साल पहले ही सरकार और कपड़ा व्यापारियों ने इस मार्केट को बीकेसी में ट्रांसफर करने की नीति तैयार की थी। बीकेसी में करीब 25 हैक्टेयर जमीन भी इसके लिए रिजर्व करके रखी गई, जो डायमंड बूर्स के सामने है। लेकिन वहां उस समय कोई नहीं गया, क्योंकि प्रति वर्ग फीट कीमत पर सहमति नहीं हो सकी। यह सहमति आज भी नहीं दिखाई दे रही है।

लेकिन हिंदुस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स के कमिटी मेंबर गणपत कोठारी का मानना है कि व्यापार सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। इसलिए यदि उन्हें ऐसी सुविधा मिलती है, तो कौन इस गंदगी और भीड़भाड़ में काम करना चाहेगा। साथ ही अधिकांश कर्मचारी, एजेंट, व्यापारी अब अंधेरी, मालाड, भाईंदर से आ रहे हैं, उन्हें भी बीकेसी में जाने में आसानी होगी। बीकेसी एक मॉडर्न हब होने से सभी सुविधाएं होंगी जैसे वहां क्लोज सर्किट टीवी होंगे, पुलिस की विशेष गश्त होगी। इससे न केवल घरेलू व्यापारियों में मनोबल बढ़ेगा, वरन विदेशी व्यापारी भी निश्चिंत हो कर आ सकेंगे।